SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

बाइबल बुद्धि के बारे में क्या कहती है? — भाग 2 · स्ट्रॉन्स नंबरों सहित केजेवी शास्त्र

भाग 2 · मौलिक बाइबिल सिद्धांत पर आधारित एक नया अध्ययन

ज्ञान — मौलिक बाइबल सिद्धांत

उद्घाटन शब्द

> *बुद्धि का आरम्भ कहाँ से होता है? पवित्रशास्त्र स्पष्ट उत्तर देता है: यहोवा का भय बुद्धि का आरम्भ है। मनुष्यों की पाठशालाओं से नहीं, इस संसार की बुद्धि से नहीं; यहोवा का भय। इब्री शब्द है चोकमाह (H2451, बुद्धि); यूनानी शब्द है सोफ़िया (G4678, बुद्धि); और इन दोनों का द्वार है यारे (H3374, भय)। वह नींव पहले ही रखी जा चुकी है। अब नए साक्षी आते हैं: अय्यूब, जो परमेश्वर से डरता था; सुलैमान, जिसने समझने वाला हृदय माँगा; याकूब, जो कहता है कि परमेश्वर से माँगो; और पौलुस, जो हमें मसीह को दिखाता है, जो परमेश्वर की बुद्धि है। यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो तुम जानते हो कि किससे माँगना है। इसे खोज निकालो।*

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. बुद्धि का आरंभ कहाँ है?
2. यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो उसे किससे माँगना चाहिए?
3. बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार कहाँ छिपे हैं?

पहले से रखी गई नींव — बुद्धि

आधार → यहोवा का भय बुद्धि का मूल है (भजन संहिता 111:10)।

नींव → जो कोई उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं, उन सब में अच्छी समझ है (भजन संहिता 111:10)।

आधार → तब तू यहोवा के भय को समझेगा, और परमेश्वर का ज्ञान पाएगा (नीतिवचन 2:5)।

नींव → प्रभु का भय बुराई से बैर रखना है (नीतिवचन 8:13)।

नींव → यहोवा बुद्धि देता है (नीतिवचन 2:6)।

आधार → मसीह, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये बुद्धि ठहरा (1 कुरिन्थियों 1:30)।

> *यह भाग 2 गवाहों के एक नए समूह से इसी सत्य की पुष्टि करता है।*

ग्रीक मुख्य शब्द

"ज्ञान" — **G4678 sophia** — बुद्धि, सांसारिक या आत्मिक
परमेश्वर की सामर्थ्य और परमेश्वर का ज्ञान मसीह

"बुद्धिमान" — **G4680 sophos** — बुद्धिमान, कुशल
ईश्वर की मूर्खता मनुष्यों से अधिक बुद्धिमान है

"विवेक" — **G5428 phronesis** — विवेक, नैतिक अंतर्दृष्टि
उसने हमारे प्रति सारे ज्ञान और बुद्धि में बहुतायत की है

"ज्ञान" — **G1108 gnosis** — ज्ञान, जानना
जिस में बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हैं

हिब्रू मुख्य शब्द

"ज्ञान" — **H2451 chokmah** — कौशल, निपुणता
परमेश्वर की वाणी से बुद्धि निकलती है

"भय" — **H3374 yare** — भय, श्रद्धा
यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है

"समझ" — **H998 biynah** — समझ, ज्ञान
पवित्र का ज्ञान समझ है

"ज्ञान" — **H1847 daath** — ज्ञान, चतुराई
यहोवा का भय मानना ज्ञान का आरम्भ है

खुलने वाला लंगर

नीतिवचन 9:10 यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है, और परमपवित्र परमेश्वर को जानना ही समझ है। **[H998 biynah ⚑] [H1847 daath ⚑] [H2451 chokmah ⚑] [H3374 yare ⚑]**

यहोवा का भय = बुद्धि का आरम्भ + पवित्र का ज्ञान = समझ।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बुद्धि का एक द्वार है, और वह द्वार है यारे (H3374, भय) — यहोवा का भय। ऐसा भय नहीं जो उससे भागकर दूर हो जाए, बल्कि एक झुका हुआ हृदय जो उसकी सुनता है। द्वार से आरम्भ करो; चोकमाह (H2451, बुद्धि) भीतर है।)

I. बुद्धि का आरंभ

A. नीतिवचन 1:7 यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है; बुद्धि और शिक्षा को मूर्ख लोग ही तुच्छ जानते हैं। **[H2451 chokmah ⚑] [H1847 daath ⚑] [H3374 yare ⚑]**

यहोवा का भय = ज्ञान का आरंभ + मूर्ख बुद्धि और शिक्षा को तुच्छ जानते हैं।

B. अय्यूब 28:28 तब उसने मनुष्य से कहा, 'देख, प्रभु का भय मानना यही बुद्धि है और बुराई से दूर रहना यही समझ है।'" (व्यव. 4:6) **[H998 biynah ⚑] [H2451 chokmah ⚑]**

यहोवा का भय = बुद्धि + बुराई से दूर रहना = समझ।

II. परमेश्वर से मांगो, जो सब को उदारता से देता है

A. याकूब 1:5 पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से माँगो, जो बिना उलाहना दिए सब को उदारता से देता है; और उसको दी जाएगी। **[G4678 sophia ⚑]**

यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो → तो वह परमेश्वर से मांगे → और वह उसे दी जाएगी।

B. 1 राजाओं 3:9 तू अपने दास को अपनी प्रजा का न्याय करने के लिये समझने की ऐसी शक्ति दे, कि मैं भले बुरे को परख सकूँ; क्योंकि कौन ऐसा है कि तेरी इतनी बड़ी प्रजा का न्याय कर सके?" **[H995 biyn ⚑]**

अपने सेवक को समझने वाला हृदय दे → कि मैं भले और बुरे में भेद कर सकूं।

C. 1 राजाओं 3:12 मैं तेरे वचन के अनुसार करता हूँ, तुझे बुद्धि और विवेक से भरा मन देता हूँ, यहाँ तक कि तेरे समान न तो तुझ से पहले कोई कभी हुआ, और न बाद में कोई कभी होगा। **[H2450 chakam ⚑]**

देख, मैं ने तुझे ऐसा बुद्धिमान और समझने वाला मन दिया है, कि तेरे साम्हने तुझ सा कोई नहीं हुआ।

D. नीतिवचन 2:6 क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है; ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5) **[H2451 chokmah ⚑]**

क्योंकि बुद्धि यहोवा ही देता है → ज्ञान और समझ की बातें उसी के मुँह से निकलती हैं। (याकू. 1:5.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सुलैमान ने माँगा, और परमेश्वर ने दिया। याकूब कहता है कि वही द्वार आज भी खुला है: परमेश्वर से माँगो, जो सभी को उदारता से और बिना दोष निकाले देता है। जिसने राजा को बुद्धिमान हृदय दिया, वह तुम्हें भी देगा। विश्वास के साथ माँगो।)

III. इस संसार का ज्ञान नहीं

A. 1 कुरिन्थियों 1:25 क्योंकि परमेश्वर की मूर्खता मनुष्यों के ज्ञान से ज्ञानवान है; और परमेश्वर की निर्बलता मनुष्यों के बल से बहुत बलवान है। **[G4680 sophos ⚑]**

परमेश्वर की मूर्खता = मनुष्यों से अधिक बुद्धिमान + परमेश्वर की निर्बलता = मनुष्यों से अधिक बलवन्त।

B. 1 कुरिन्थियों 3:19 क्योंकि इस संसार का ज्ञान परमेश्वर के निकट मूर्खता है, जैसा लिखा है, "वह ज्ञानियों को उनकी चतुराई में फँसा देता है," (अय्यू. 5:13) **[G4680 sophos ⚑] [G4678 sophia ⚑]**

इस संसार की बुद्धि = परमेश्वर की दृष्टि में मूर्खता है।

C. याकूब 3:15 यह ज्ञान वह नहीं, जो ऊपर से उतरता है वरन् सांसारिक, और शारीरिक, और शैतानी है। **[G4678 sophia ⚑]**

वह ज्ञान जो ऊपर से नहीं उतरता = सांसारिक + शारीरिक + शैतानी।

D. याकूब 3:17 पर जो ज्ञान ऊपर से आता है वह पहले तो पवित्र होता है फिर मिलनसार, कोमल और मृदुभाव और दया, और अच्छे फलों से लदा हुआ और पक्षपात और कपटरहित होता है। **[G4678 sophia ⚑]**

जो ज्ञान ऊपर से है वह = पहले पवित्र + फिर मिलनसार + कोमल + दया और अच्छे फलों से भरपूर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — याकूब दो प्रकार की बुद्धि दिखाता है: एक नीचे से, एक ऊपर से। ऊपर से आने वाली सोफिया (G4678, बुद्धि) पहले पवित्र होती है, फिर शांतिप्रिय। यदि यह कलह और ईर्ष्या उत्पन्न करती है, तो यह पिता की ओर से नहीं उतरी। इसे इसके फल से पहचानो।)

IV. मसीह, परमेश्वर का ज्ञान

A. 1 कुरिन्थियों 1:24 परन्तु जो बुलाए हुए हैं क्या यहूदी, क्या यूनानी, उनके निकट मसीह परमेश्वर की सामर्थ्य, और परमेश्वर का ज्ञान है। **[G4678 sophia ⚑]**

मसीह = परमेश्वर की सामर्थ्य + परमेश्वर का ज्ञान।

B. 1 कुरिन्थियों 1:30 परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये ज्ञान ठहरा अर्थात् धार्मिकता, और पवित्रता, और छुटकारा। (इफि. 1:7, रोम. 8:1) **[G4678 sophia ⚑]**

परमेश्वर की ओर से मसीह यीशु हमारे लिए बुद्धि + धार्मिकता + पवित्रता + छुटकारा बनाया गया।

C. कुलुस्सियों 2:3 जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं। **[G1108 gnosis ⚑] [G4678 sophia ⚑]**

बुद्धि और ज्ञान के सारे खज़ाने = मसीह में छिपे हुए हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — खजाने को खजाने के भंडार से अलग मत खोजो। परमेश्वर ने सारी सोफिया (G4678, बुद्धि) और सारी ग्नोसिस (G1108, ज्ञान) को अपने पुत्र में छिपा दिया है। छिपाया गया है, खोया नहीं — वहाँ छिपाया गया है जहाँ तुम उसे पा सको। मसीह को पाओ, और तुमने बुद्धि को पा लिया है।)

V. बुद्धि सबसे मुख्य वस्तु है — उसका मूल्य और उसके कार्य

A. नीतिवचन 3:13 क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए, और वह मनुष्य जो समझ प्राप्त करे **[H2451 chokmah ⚑]**

क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो बुद्धि पाए + और वह मनुष्य जो समझ प्राप्त करे.

B. नीतिवचन 3:18 जो बुद्धि को ग्रहण कर लेते हैं, उनके लिये वह जीवन का वृक्ष बनती है; और जो उसको पकड़े रहते हैं, वह धन्य हैं।

वह = जीवन का वृक्ष है उनके लिये जो उसे ग्रहण करते हैं + धन्य है वह जो उसे थामे रहता है।

C. नीतिवचन 4:7 बुद्धि श्रेष्ठ है इसलिए उसकी प्राप्ति के लिये यत्न कर; अपना सब कुछ खर्च कर दे ताकि समझ को प्राप्त कर सके। **[H998 biynah ⚑] [H2451 chokmah ⚑]**

बुद्धि = मुख्य वस्तु → बुद्धि प्राप्त कर + अपनी सारी प्राप्ति के साथ समझ प्राप्त कर।

D. याकूब 3:13 तुम में ज्ञानवान और समझदार कौन है? जो ऐसा हो वह अपने कामों को अच्छे चाल-चलन से उस नम्रता सहित प्रगट करे जो ज्ञान से उत्पन्न होती है । **[G4678 sophia ⚑] [G4680 sophos ⚑]**

एक बुद्धिमान पुरुष → वह अपने अच्छे चालचलन से अपने कामों को बुद्धि की नम्रता के साथ प्रगट करे।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — बुद्धि केवल जानने से कहीं बढ़कर है; वह जीवन का वृक्ष है, और वृक्ष अपने फल से पहचाना जाता है। पहले उसे प्राप्त करो, और फिर विनम्रता के साथ एक अच्छे आचरण के द्वारा उसे प्रकट करो।)

दो के मुख

नीतिवचन 9:10 यहोवा का भय मानना बुद्धि का आरम्भ है, और परमपवित्र परमेश्वर को जानना ही समझ है।

यहोवा का भय = बुद्धि का आरम्भ।

भजन संहिता 111:10 बुद्धि का मूल यहोवा का भय है; जितने उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, उनकी समझ अच्छी होती है। उसकी स्तुति सदा बनी रहेगी। **[H2451 chokmah ⚑] [H3374 yare ⚑]**

यहोवा का भय = बुद्धि का आरम्भ + जो कोई उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं उन सभों में उत्तम बुद्धि है।

नीतिवचन 1:7 यहोवा का भय मानना बुद्धि का मूल है; बुद्धि और शिक्षा को मूर्ख लोग ही तुच्छ जानते हैं।

यहोवा का भय = ज्ञान का आरम्भ।

सभोपदेशक 4:12 यदि कोई अकेले पर प्रबल हो तो हो, परन्तु दो उसका सामना कर सकेंगे। जो डोरी तीन तागे से बटी हो वह जल्दी नहीं टूटती।

जो डोरी तीन तागे से बटी हो वह जल्दी नहीं टूटती.

छाया और पूर्णता

Shadow 1 राजाओं 3:12 मैं तेरे वचन के अनुसार करता हूँ, तुझे बुद्धि और विवेक से भरा मन देता हूँ, यहाँ तक कि तेरे समान न तो तुझ से पहले कोई कभी हुआ, और न बाद में कोई कभी होगा।

मैंने तुझे बुद्धिमान और समझदार मन दिया है → न ही तेरे बाद तेरे समान कोई उठेगा।

Fulfillment मत्ती 12:42 दक्षिण की रानी न्याय के दिन इस युग के लोगों के साथ उठकर उन्हें दोषी ठहराएगी, क्योंकि वह सुलैमान का ज्ञान सुनने के लिये पृथ्वी के छोर से आई, और यहाँ वह है जो सुलैमान से भी बड़ा है। **[G4678 sophia ⚑]**

वह पृथ्वी की छोर से सुलैमान का ज्ञान सुनने आई → देखो, यहां सुलैमान से भी बड़ा है।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — सबसे बुद्धिमान राजा केवल एक छाया मात्र था। रानी पृथ्वी के छोर से सुलैमान की बात सुनने आई थी; सुलैमान से भी बड़ा कोई यहाँ खड़ा है — मसीह, जो परमेश्वर का ज्ञान है।)

समापन

याकूब 3:17 पर जो ज्ञान ऊपर से आता है वह पहले तो पवित्र होता है फिर मिलनसार, कोमल और मृदुभाव और दया, और अच्छे फलों से लदा हुआ और पक्षपात और कपटरहित होता है।

ऊपर से आने वाली बुद्धि = दया और अच्छे फलों से भरपूर + बिना पक्षपात के + बिना कपट के।

कुलुस्सियों 2:3 जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं।

जिसमें बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार छिपे हुए हैं.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — एक मार्ग, तीन चरण। यह यारे (H3374, भय) से आरंभ होता है, यहोवा का भय। यह आगे बढ़ता है माँगने से, क्योंकि वह सभी को उदारता से देता है। और यह मसीह में समाप्त होता है, जिसमें सोफ़िया (G4678, बुद्धि) और नॉसिस (G1108, ज्ञान) के सारे खजाने छिपे हुए हैं। एक वरदान, एक देनेवाला। माँगो, और तुम्हें दिया जाएगा।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. नीतिवचन 9:10 — यहोवा का भय मानना इसका आरम्भ है:

a) ज्ञान
b) बुद्धि
c) दिन

2. अय्यूब 28:28 — बुराई से दूर हटना है:

a) समझ
b) बुद्धि
c) धन

3. याकूब 1:5 — यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो वह:

a) इस संसार के ज्ञानियों को खोजो
b) परमेश्वर से माँगे, कदाचित् वह दे
c) परमेश्वर से माँगे, जो सब को उदारता से देता है

4. 1 राजा 3:12 — देख, मैं ने तेरे वचन के अनुसार किया है; देख, मैं ने तुझे दिया है:
a) एक बुद्धिमान और समझदार हृदय
b) धन और सम्मान
c) दीर्घायु

5. 1 कुरिन्थियों 3:19 — इस जगत का ज्ञान है:
a) परमेश्वर के साथ छिपा हुआ
b) परमेश्वर की दृष्टि में मूर्खता
c) परमेश्वर के साथ कमज़ोरी

6. कुलुस्सियों 2:3 — जिसमें छिपे हुए हैं:
a) इस संसार के ज्ञान में
b) कलीसिया में
c) बुद्धि और ज्ञान के सारे भण्डार

7. याकूब 3:17 — परन्तु जो ज्ञान ऊपर से आता है, वह पहिले तो:
a) शुद्ध
b) शांतिप्रिय
c) कोमल

उत्तर कुंजी: 1-b, 2-a, 3-c, 4-a, 5-b, 6-c, 7-a

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

बुद्धि एक व्यक्ति के रूप में कैसे बोलती है: नीतिवचन 8:23 में बुद्धि कहती है, मैं अनादिकाल से ठहराई गई थी; और 1 कुरिन्थियों 1:24 मसीह को परमेश्वर का ज्ञान कहता है। खोज करो कि क्या वह बुद्धि जो नीतिवचन में पुकारती है, पुत्र की छाया है।

आत्मा किस प्रकार बुद्धि देता है: बसलेल परमेश्वर के आत्मा से बुद्धि में भरा हुआ था (निर्गमन 31:3), और पॉल प्रार्थना करता है कि परमेश्वर तुम्हें बुद्धि की आत्मा दे (इफिसियों 1:17)। खोजो कि बुद्धि आत्मा के द्वारा किस प्रकार आती है।

उपदेशक कहाँ समाप्त होता है जहाँ बुद्धि आरम्भ होती है: सभोपदेशक 12:13 कहता है, परमेश्वर का भय मान, और उसकी आज्ञाओं को मान; क्योंकि मनुष्य का सम्पूर्ण कर्तव्य यही है। खोज कि पुस्तक का अन्त बुद्धि के आरम्भ से कैसे मिलता है।

यह "से बड़ा" श्रृंखला कैसे आगे बढ़ती है: सुलैमान से बड़ा एक (मत्ती 12:42), योना से बड़ा एक (मत्ती 12:41), मन्दिर से भी बड़ा एक (मत्ती 12:6)। खोजें कि राजा, भविष्यद्वक्ता, और मन्दिर से बड़ा कौन है।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.
Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).
Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).
Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).
© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).